वार्ड परिक्रमा | चोक पड़ी नालियां, घाटों में फैली गंदगी

वार्ड में नहीं होते पार्षद के दर्शन, समस्याएं अनेक

मां नर्मदा में तैरती गंदगी

घाट में फैली गंदगी

सड़क किनारे पड़ा कचरा

जबलपुर, नवभारत। सिर्फ जबलपुर में ही नहीं बल्कि देश-विदेश में भी अपनी अलग पहचान बना चुके मां नर्मदा का ऐतिहासिक किनारा गौरीघाट में हर दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ मां नर्मदा के दर्शन करने उमड़ती है। लेकिन उसी ग्वारीघाट वार्ड में फैली गंदगी और अन्य अव्यवस्थाएं आमजनों का मन खट्टा कर रही है। नगर के बड़े वार्डो में से एक ग्वारीघाट वार्ड की जनसंख्या लगभग 15 हजार के आसपास है। लेकिन ये वार्ड आज भी साफ सफाई, बेहतर सड़के और स्वच्छ पेयजल जैसी व्यवस्थाओं से कोसों दूर दिखाई दे रहा है।

पार्षद को लेना देना नहीं!

ग्वारीघाट वार्ड की स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। इन सब से अनजान वार्ड की पार्षद किसी भी तरह की सफाई कराने में योगदान नहीं दे रही हैं। पार्षद से शिकायत करने के बावजूद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है। जिससे लोगों को परेशानियों से जूझना पड़ रहा है। कुछ लोगों ने स्वयं ही अपने आसपास की सफाई करना शुरू कर दी है। वार्ड की स्थिति का जायजा लेने के लिए जब नवभारत द्वारा पार्षद शारदाबाई को फोन लगाया गया तो उन्होंने फोन उठाना मुनासिब नहीं समझा था। पद के अहंकार में चूर वार्ड की पार्षद वार्ड वासियों से दूर होती जा रही हैं। वार्डवासियों ने बताया कि उनके वार्ड में भले ही सफाई के लिए ठेका दिया गया है, इसके बावजूद भी सफाई कर्मचारी वार्ड में कब आते हैं लोगों को पता ही नहीं चलता।

मां नर्मदा में मिलता गंदा पानी

मां नर्मदा के किनारे ग्वारीघाट में आसपास से निकलने वाला गंदा पानी सीधा नदी में मिल रहा है। जिसके कारण लोगों की आस्था को ठेस पहुंच रही है। आलम यह है कि तटों पर ऊपर तक प्रतिबंधित थर्माकोल की प्लेटें, प्लास्टिक की पन्नियाँ बिखरी नजर आती है। जो सीधा मां नर्मदा में मिल जाती है। घाटों पर आस्था की डुबकी लगाने वाले पूजन-अर्चन करने के बाद गंदगी तटों पर यहाँ-वहाँ छोड़कर चले जाते है।

सड़के जर्जर, पल-पल में लगता जाम

ग्वारीघाट वार्ड में सिर्फ समस्याएं ही नहीं कुछ जगह सड़के भी बनाई गई हैं। बता दे कि भीमनगर, नर्मदा नगर, पीपी कालोनी में सीमेंट सड़कें बनाई गई है। यहां ज्यादातर अधिवक्ता, चिकित्सक, व्यावसायी निवास करते हैं। इसी तरह बस्तियों में भी सड़क का निर्माण किया गया है। लेकिन रेतनाका से खारीघाट की ओर जाने वाले मार्ग पर बड़े बड़े गड्ढे हो चुके हैं। लोगो ने बताया कि कंचनपुर क्षेत्र में वर्षा के दिनों में जलभराव के हालात बनते थे परंतु इस बार वर्षा पूर्व ही नाले-नालियों की सफाई कराई गई थी। वर्षा जल निकासी के अवरोधक हटाए गए नतीजा ये हुआ कि इस बार वर्षा के दौरान जलभराव के हालात नही बने। माही ग्वारीघाट के तत्वों पर पल-पल में जाम भी लग जाता है। बेतरतीब ढंग से खड़े दो और चार पहिया वाहनों के कारण यह स्थिति हर दो मिनट में बनती बिगड़ती रहती है।

फैक्ट फाइल

आबादी : 15 हजार के आसपास
पार्षद : शारदा बाई कुशवाहा
समस्या : घाटों पर गंदगी, टूट रहे पत्थर, पल पल में लगता जाम, चोक पड़ी नालियां

घाटों में फैली गंदगी

जैसे ही आमजन सड़क मार्ग से ग्वारीघाट वार्ड में दाखिल होते हैं, उनका सबसे पहले सामना सड़कों के किनारे पड़ी गंदगी से होता है। वहीं नवभारत से चर्चा के दौरान वार्डवासियों ने बताया कि गली मोहल्लों में महीनों सफाई नहीं होती। वार्ड की नालियां चोक पड़ी रहतीं है। जिसके कारण पूरे क्षेत्र बदबू फैली रहती है और बीमारियों के फैलने का भी डर बना रहता है।

इनका कहना है

आपके द्वारा संज्ञान में लाई गई बातों पर काम किया जाएगा। जिम्मेदारों को ग्वारीघाट वार्ड की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण कर उचित कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं।

अंकिता बर्मन
स्वास्थ्य अधिकारी
नगर निगम

दफ्तरों के गलियारे

इस आग को आखिर कौन बुझाएगा?

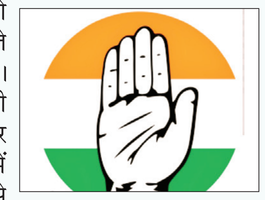

आप तो बोलकर चले गए लेकिन जो आग लगा गए उसे कौन बुझाएगा, जो खरी खोटी सुनना पड़ रही है उसे बंद कौन कराएगा कुछ इस तरह की बातें बीते कुछ दिनों से शहर कांग्रेस कमेटी के दिग्गज नेताओं के खेमे में होते दिखीं। जिसने शहर के राजनैतिक गलियारों में चर्चाओं का बाजार गर्म किया। साथ ही भाजपा के नेताओं की सक्रियता को उजागर किया। पूरा मामला उस जबलपुर में कांग्रेस पार्टी के आयोजित संभागीय टैलेंट कार्यक्रम से जुड़ा है जिसमें अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता शामिल हुए थे और उन्होंने मंच से बयान दिया था कि भाजपा की डबल इंजन की असम सरकार के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा भारत वर्ष के सबसे बड़े भ्रस्टाचारी मुख्यमंत्री है।असम में कांग्रेस की सरकार अगर बनी तो हिम्मत बिस्वा जेल की हवा खाएंगे। बस फिर क्या था इसके बाद भाजपाइयों ने भी कांग्रेसियों को लेकर टारगेट किया और फिर जो सामने आना वो आज सभी के सामने है।। हालांकि कुछ कांग्रेसियों ने भाजपा के जवाबी हमले की बात को छुपाना चाहा जिससे पार्टी की साख पर असर न पड़े लेकिन ऐसे बाते छिपती कहां है शायद ये कांग्रेस पार्टी भूल गई थी।

सामने मैडम तो पर्दे के पीछे साहब चला रहे विभाग

कलेक्ट्रेट कार्यालय की खाद्य विभाग शाखा में विगत महीने कार्यभार में फेरबदल किए गए हैं। जिसके बाद खाद्य विभाग की कमान मैडम को सौंप दी गई है, वहीं अन्य साहबों को भी विभाग में ही अलग- अलग कार्य सौंप दिया है, बावजूद उसके एक साहब जिनका धान उपार्जन के समय भी काफी नाम सामने आया था, उनको भी आगामी गेहूं उपार्जन में एक बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। देखा जाए तो विभाग प्रमुख ही सभी कार्यों का मुखिया होता है जो इस समय मैडम हैं। गौरतलब है कि दफ्तर के गलियारों में यह चर्चा का विषय बना हुआ है कि मैडम के हाथ में भले ही विभाग हो लेकिन पर्दे के पीछे उक्त साहब ही उसे चला रहे हैं। खासतौर पर आगामी गेहूं उपार्जन के कार्यों में हस्तक्षेप भी उनके द्वारा ही किया जा रहा है। अब देखना होगा मैडम उपार्जन में अपनी क्या भूमिका निभाती हैं, या इस बार भी साहब धान उपार्जन की तरह गेहूं उपार्जन में भी पीछे से हाथ साफ कर जाएंगे।

तुम भी हो मैदान में!

इन दोनों सूबे की बड़ी से लेकर निचली अदालतो में सिवाए चुनाव के और कोई चर्चा नहीं चल रही है। हाल ही में नामांकन प्रक्रिया समाप्त हुई है, जिस में सैकड़ो काले कोट धारियों ने नामांकन भरा था। इसी कड़ी में अंतिम दिन हुआ कुछ यूं कि पर्चा दाखिल करने पहुंचे एक वरिष्ठ तो एक यंग वकील साब आमने सामने आ गए। जिसको देख सीनियर वकील साब अपने साथियों से बोल बैठे, ये भी है मैदान में ! इसी पर कानाफुसी करते हुए दो अधिवक्ता आपस में चुनाव परिणाम को लेकर चर्चा करने लगे। बोले इस बार के नतीजे चौंकाने वाले होंगे।

कुर्सी बचाने की छटपटाहट

नशे के सौदागरों को मौके पर ही टा-टा, बाय-बाय कहने वाले थानेदार और उनके चेलो ने सोचा था मामला रफा-दफा हो जाएगा, पर उन्हें क्या पता था कि इस बार धुआं तस्करों के चिलम से नहीं, उनकी खुद की कुर्सी से निकलेगा! मामला सीधे बड़े साहब तक पहुंचा। महारथियो को ऐसा सस्पेंशन का प्रसाद बांटा कि चारों को घर में बैठना पड़ गया। महकमे में चर्चा है कि 7 दिनों में रिपोर्ट आएगी। उनका कच्चा चिट्ठा खुलेगा जिन्होंने पुलिस की साख को गांजे की धुएं की तरह हवा में उड़ाया है। जांच वाली लाठी से कईयों की वर्दी के बटन ढीले होना तय है। कुर्सी बचाने की छटपटाहट में वे चाहे जितने आकाओ के दरबार में जोर लगा लें। बाकी थानों दहशत ऐसी है कि जिन्हें कल तक पुडिया नहीं मिलती थी वे अब खेप पकड़ रहे है। उनकी भी सांसे थमी है जिनकी किस्त हर महीने नशे के कारोबार से बंधती थी।

विवेक दुबे, अमन पटेल, धनंजय श्रीवास्तव, अजहर खान

चेक बाउंस के आरोपी को छह माह की सजा

जबलपुर। न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी वंदना सोनी की अदालत ने चेक बाउंस के आरोपी हाथीताल निवासी दीपक रजक को छह माह के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। कोर्ट ने आरोपी को निर्देशित किया है कि वह परिवादी को मूल रकम तीन लाख के अलावा 9 प्रतिशत ब्याज की दर से एक लाख 64 हजार का ब्याज भुगतान करे। इसके अलावा वाद व्यय के पांच हजार रुपए भी अदा करना होगा।

संज्ञेय अपराधों में भी एफआईआर दर्ज नहीं कर रहे टीआई

▶ याचिका में आरोप, डीजीपी व गोरखपुर टीआई सहित अन्य को नोटिस

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट में याचिका दायर कर आरोप लगाया गया है कि जबलपुर के गोरखपुर थाना टीआई नितिन कमल संज्ञेय अपराधों में भी एफआईआर दर्ज नहीं कर रहे हैं। जस्टिस बीपी शर्मा की एकलपीठ ने प्रारंभिक सुनवाई के बाद राज्य के गृह सचिव, टीआई नितिन कमल

सहित अन्य पुलिस अधिकारियों को नोटिस जारी किए हैं। न्यायालय ने अनावेदकों को चार सप्ताह में जवाब पेश करने के निर्देश दिये है।

दरअसल यह मामला शक्ति नगर निवासी विनोद कुमार चाटे की ओर से दायर किया गया है। जिसमें कहा गया कि गोरखपुर थाना प्रभारी नितिन कमल संज्ञेय अपराधों में भी एफआईआर दर्ज नहीं कर रहे हैं। वे तब तक कारवाई नहीं करते जब तक कोर्ट में अवमानना याचिका न लगाई जाए। 2025 के तीन अवमानना मामलों का हवाला देकर बताया गया कि यह रवैया लगातार जारी है। आरोप लगाया गया कि शिकायत देने के बावजूद रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई। कहा गया है कि टीआई नितिन कमल का आचरण एमपी पुलिस रेगुलेशन व मप्र सिविल सेवा आचरण नियम का उल्लंघन है। उनके खिलाफ विभागीय जांच की जानी चाहिए। मामले की प्रारंभिक सुनवाई के बाद न्यायालय ने मप्र शासन के गृह सचिव, जबलपुर एसपी, गोरखपुर सीएसपी और टीआई नितिन कमल को नोटिस जारी करते हुए जवाब तलब किया है।

वेस्ट-टू-एनजी, सीएनडी प्लांट बने नगर निगम की ताकत : निगमायुक्त

नवभारत, जबलपुर। स्वच्छ सर्वेक्षण की कसौटी पर खरा उतरने के लिए नगर निगम ने अपनी तैयारी पूरी कर ली है। इसी कड़ी में निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने शनिवार को वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट और सीएनडी प्लांट का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्लांट की कार्यप्रणाली और वहां तक पहुँचने वाले मार्गों सहित सभी व्यवस्थाओं को दुरुस्त पाया।

निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने स्पष्ट किया कि शहर की स्वच्छता और कचरा प्रबंधन के लिए निगम पूरी तरह से चाक-चौबंद है। निगमायुक्त के अनुसार *प्लांट में निर्मित पेवर ब्लॉक का अधोसंरचना में बेहतर उपयोग हो रहा है और ये आमजन के लिए भी उपलब्ध है।

आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम

निरीक्षण के दौरान दो प्रमुख केंद्रों पर विशेष ध्यान दिया गया वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट कचरे से बिजली बनाने की प्रक्रिया और प्लांट की क्षमता का जायजा लिया गया। वहीं प्लांट तक पहुँचने वाले मार्गों का सुदृढ़ीकरण किया जा चुका है ताकि कचरा परिवहन में कोई बाधा न आए। सीएनडी वेस्ट प्लांट यह प्लांट 'वेस्ट-टू-वेल्थ' का बेहतरीन उदाहरण पेश कर रहा है।

जहर खाने से युवक की मौत

जबलपुर। संजीवनी नगर थाना अंतर्गत शाहीनाका निवासी एक युवक ने जहर का सेवन कर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि शनिवार को मेडिकल कालेज से सूचना मिली कि अमन अहिरवार 26 वर्ष निवासी शाहीनाका संजीवनी नगर को जहरीली वस्तु का सेवन कर लेने के कारण भर्ती कराया गया था जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई । मृतक ने यह आत्मघाती कदम किन परिस्थितियों में उठाया इसका फिलहाल पता नहीं चल सका है पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है।

विरोध सप्ताह का हुआ सफल आयोजन

जबलपुर, नवभारत। भारतीय प्रतिरक्षा मजदूर संघ के आव्हान पर कामगार यूनियन, आयुध निर्माणी खमरिया द्वारा 06 से 11 अप्रैल तक विरोध सप्ताह का सफल आयोजन किया गया। इस दौरान यूनियन के आह्वान पर कामगारों ने अपनी लंबित एवं जायज मांगों के समर्थन में विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से एकजुटता प्रदर्शित की।

कार्यक्रम की शुरुआत 06 अप्रैल को जन जागरण अभियान से हुई, जिसमें कर्मचारियों को उनकी समस्याओं एवं अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। इसके पश्चात 07 अप्रैल से 10 अप्रैल तक विभिन्न समूहों द्वारा निर्धारित समय पर नारेबाजी एवं शांतिपूर्ण प्रदर्शन आयोजित किए गए, जिनमें बड़ी संख्या में कामगारों ने भाग लिया। विरोध सप्ताह के समापन अवसर पर 11 अप्रैल को यूनियन के प्रतिनिधि मंडल द्वारा रक्षा मंत्री, भारत सरकार को मुख्य महाप्रबंधक, आयुध निर्माणी खमरिया के माध्यम से ज्ञापन सौंपा गया।

रखी गई मांगें

प्रस्तुत ज्ञापन में रक्षा असैनिक कर्मचारियों की प्रमुख एवं लंबे समय से लंबित मांगों को विस्तारपूर्वक रखा गया, जिनमें प्रमुख रूप से सभी विभागों में रिक्त पदों की शीघ्र पूर्ति की जायेगी अनुकंपा नियुक्ति की प्रक्रिया में एकरूपता एवं शीघ्रता सभी पात्र कर्मचारियों को बिना सीमा के नाइट ड्यूटी भत्ता का भुगतान एवं एड-हॉक बोनस की न्यूनतम सीमा का निर्धारण समयबद्ध पदोन्नति सुनिश्चित करना स्वीकृत पदों में कटौती पर रोक सभी कर्मचारियों को पूर्ण ट्रेड यूनियन अधिकार प्रदान करना एनपीएस यूपीएस को समाप्त कर पुरानी पेंशन योजना ओपीएस लागू करना जैसी मांगे उठाई गई। आंदोलन को सफल बनाने मे संगठन के रूपेश पाठक, राजेंद्र चराडिया, प्रेम लाल, दीपक सैनी, अमित चौबे, संजय प्रधान, सतिन शर्मा, राम सिंह धाकड, रामेश यादव आदि उपस्थित थे।

ओडिशा से आई सात किलो गांजे की खेप पकड़ाई, 3 .60 लाख का गांजा बरामद

▶ 3 महिलाओं समेत 6 आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर। तिलवारा पुलिस और क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने गढ़ा रेलवे स्टेशन के पास घेराबंदी कर ओडिशा के एक बड़े गिरोह को दबोचा है, जो भारी मात्रा में गांजा लेकर शहर में सप्लाई करने पहुंचे थे। गिरफ्तार आरोपियों में तीन पुरुष और तीन महिलाएं शामिल हैं। जिनके कब्जे से 7 किलो 206 ग्राम गांजा करीब 3 लाख 60 हजार 300 रुपये का जप्त किया गया है।

थाना प्रभारी तिलवारा बृजेश मिश्रा ने बताया कि क्राईम ब्रांच एवं तिलवारा थाना की संयुक्त टीम ने रेल्वे स्टेशन गढ़ा से लगे हुये चाय के ठेला के पास घेराबंदी की। तीन पुरूष एवं तीन महिलायें जो अपने हाथों में बैग लिये थीं जो पुलिस को देखकर घबराकर जाने लगे, आचरण संदिग्ध प्रतीत होने से भुवनेश्वर कुम्भार पिता कुशमत कुम्भार 29 वर्ष निवासी बेंडर थाना हरिशंकर रोड जिला बलांगीर उड़ीसा, फगनु मांझी पिता लालू मांझी 27 वर्ष निवासी डेडसुली

थाना मदनपुर रामपुर जिला कालाहांडी उड़ीसा, सुनप हरिजन पिता सुन्दु हरिजन 29 वर्ष निवासी डेडसुली मदनपुर रामपुर जिला कालाहांडी उडीसा, काजल मांझी पिता लुकेश्वर मांझी 30 वर्ष निवासी गंगापदर थाना तुमडीबंद जिला कंदोमल उडीसा, तपसनी दिगाल पति आलोक दिगाल 35 वर्ष निवासी जोगरमहा दरिंगबडी जिला कंधमाल उडीसा, मनिनी दिगाल पति सुनप हरिजन 25 वर्ष निवासी डेडसुली मदनपुर रामपुर जिला कालाहांडी उडीसा को रोका गया। एनडीपीएस एक्ट के तहत उनके पास रखे बैगों की तलाशी लेने पर तीनों पेकटों में 7 किलो 206 ग्राम गांजा कीमती लगभग 3 लाख 60 हजार 300 रूपये का होना पाया गया।

ओडिशा में खेती कर जबलपुर में होनी थी सप्लाई

पूछताछ में आरोपियों ने चौंकाने वाला खुलासा किया। उन्होंने बताया कि वे ओडिशा में गांजे की खेती करते हैं और इसे जबलपुर निवासी पियूष कुशवाहा को बेचने के इरादे से यहां लाए थे। पुलिस अब पियूष कुशवाहा की सरगर्मी से तलाश कर रही है। इस मामले में आगे की जांच जारी है ताकि इस तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य व्यक्तियों का पता लगाया जा सके।

कवायद | बैकलेन में लग रही हैं चाय की चौपाल

निगम की कवायद से बदली शहर की सूरत

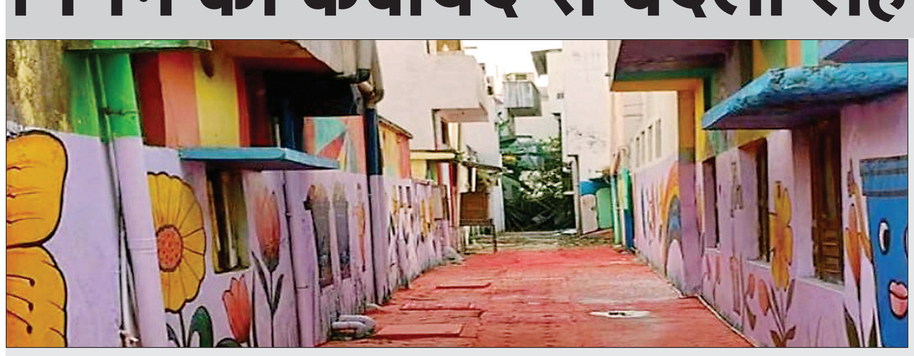

नवभारत, जबलपुर। शहर में इन दिनों स्वच्छता को लेकर वैसी ही हलचल और उत्साह नजर आ रहा है, जैसा अमूमन दीपावली के दीपोत्सव पर दिखाई देता है। नगर निगम द्वारा चलाए जा रहे विशेष कायाकल्प अभियान ने शहर की उन गलियों की तस्वीर बदल दी है, जहाँ कभी गंदगी के ढेर के कारण लोगों को परेशानी होती थी आज उन्हीं 'बैकलेन' में लोग बैठकर कैरम खेल रहे हैं और चाय की चौपाल सजा रहे हैं।

गंदगी के ढेर से 'सेल्फी पॉइंट' तक का सफर

निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने इस बार स्वच्छता को केवल कचरा उठाने तक सीमित नहीं रखा, बल्कि इसे एक उत्सव का रूप दे दिया है। शहर के उन हिस्सों को चिन्हित किया गया जो लंबे समय से उपेक्षित थे। सफाई के बाद इन स्थानों पर आकर्षक स्ट्रीट आर्ट और पेंटिंग की गई है।

जनभागीदारी से बना आंदोलन

निगम की इस तैयारी को देखकर आम जनता में भी जबरदस्त उत्साह है। लोग न केवल इन खूबसूरत दीवारों के साथ फोटो खिंचवा रहे हैं बल्कि वहां बैठ कर आनंद की अनुभूति भी महसूस कर रहे हैं।

▶ आध्यात्मिक और स्वच्छता थीम की पेंटिंग बनी आकर्षण

शहर की दीवारों पर उकेरी गई आकृतियाँ लोगों को जागरूक भी कर रही हैं और प्रेरित भी। इन पेंटिंग्स में दो मुख्य थीम रखी गई हैं जिसमे शांति और शुचिता का संदेश देती कलाकृतियाँ लोगों के मन को सुकून पहुँचा रही हैं। कचरा प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण के संदेशों को कला के माध्यम से बेहद रोचक ढंग से दर्शाया गया है।

सब्जी व्यापारी पर चाकू से हमला

जबलपुर। लार्डगंज थाना अंतर्गत लटकारी का पड़ाव सब्जी मंडी में बीती रात दो युवकों ने एक सब्जी व्यापारी पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया है। घायल को तुरंत मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहाँ उसका उपचार जारी है। पुलिस के अनुसार गढ़ा फाटक निवासी दिनेश उर्फ शरद पटेल (52) लटकारी के पड़ाव में सब्जी का व्यवसाय करता है। बीती रात करीब 10 :30 बजे जब वह मंडी में था, तभी वहां डुग्गू उर्फ प्रिंस रैकवार और क्रिस उर्फ किस्सू ठाकुर पहुंचे। पुरानी रंजिश के चलते आरोपियों ने शरद के साथ विवाद करने लगे विरोध करने पर आरोपियों ने चाकू से शरद के पेट और गर्दन पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घायल को प्राथमिक उपचार के बाद विक्टोरिया अस्पताल से मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। पुलिस ने रिपोर्ट पर आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।